#### MARKING SCHEME

CLASS - XI (2023-24)

#### ACCOUNTANCY (903)

**NOTE:-** Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However**, while evaluating answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks will be awarded to them.

नोट:- मूल्यांकन, अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। अंकन योजना का सख्ती से पालन और आदर्श रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, उत्तरों का मूल्यांकन करते समय जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान और/या नवाचार पर आधारित हैं, उनकी शुद्धता के लिए उनका मूल्यांकन किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक दिए जाएंगे।

Q	Questions	Mark
No.		S

Q	Questions	Marks
No.		
1.	(d) All of the above. (द) उपर्युक्त सभी	1
2.	(c) Capital = Assets – Liabilities (स) पूँजी= संपत्ति - देयताएं	1
3.	(c) An assets (स) एक सम्पति	1
4.	i. Identifying the transactions. लेन-देन की पहचान	1/2
	ii. Communicating Information सूचनाओं का सम्प्रेषण	1/2
5.	Debit what comes in and credit what goes out. जो आया डेबिट और जो गया क्रेडिट	1
6.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct	1
	explanation of Assertion (A). (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन	
	कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	
7.	(a)Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).	1

	(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही			
	स्पष्टीकरण नहीं है			
8.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct	1		
	explanation of Assertion(A) (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण			
	(R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं ह			
9.	Goods that are purchased for selling in business on credit. व्यापार में बेचने के लिए	1		
	जो माल उधार खरीदा गया है।			
10.	Owners / management स्वामी/प्रबंध	1		
11.	Purchase of goods debited to Furniture A/c. (any other as per examiner)	1		
	Current Liabilities चालू दायित्व			
13.	(b) Wages A/c (ब) मजदूरी खाते			
	(c) Either balance of cashbook or balance of passbook. (स) या तो रोकड़ बही के शेष	1		
	से या फिर पास बुक के शेष से			
15.	(d)None of these (द) इसमे से कोई नही	1		
16.		1/2		
	goods. Goods may be raw material work in progress of finished goods. In	mark		
	accounting, when goods are purchased it is written as purchases. When	each		
	goods are sold it is written as sales.			
	माल (Goods <mark>) :- वे वस्तुएँ जि</mark> न्हें व्यवसायियों द् <mark>वा</mark> रा खरीदा और बेचा जाता है, माल			
	कहलाती हैं। <mark>माल, कच्चा माल</mark> , निर्माणाधीन माल और तैयार माल के रूप में हो			
	सकता है। ले <mark>खांकन में, जब मा</mark> ल <mark>खरीदा जाता है तो इसे खरीद के रूप में लिखा</mark>			
	जाता है। जब <mark>माल बेचा जाता</mark> है तो इसे बिक्री के रूप में लिखा जाता है।			
	ii. <b>Expenditure:</b> -An expenditure represents a payment with either cash or			
	credit to purchase goods or services. It is recorded at a single point in time			
	(the time of purchase), compared to an expense that is recorded in a period			
	where it has been used up or expired.			
	खर्चा (Expenditure): - एक व्यय वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने के लिए नकद या			
	क्रेडिट के साथ भुगतान का प्रतिनिधित्व करता है। यह समय (खरीद के समय) के			
	एक बिंदु पर दर्ज किया गया है, एक व्यय की तुलना में जो उस अवधि में दर्ज किया			
	गया है जहां इसका उपयोग किया गया है या समाप्त हो गया है।			
	iii Cuaditan A araditar is an individual an antituthat is assed manages			
	iii. <b>Creditor:</b> -A creditor is an individual or entity that is owed money. Typically, the creditors of a business are its suppliers, which have			
	provided it with goods and services, and in exchange expect to be paid by			
	an agreed-upon date. Or, the business owes money to a lender, which also			
	expects to be repaid at a later date.			

	Balance Sheet	deduction from the concerned	Shown on the natifices side.				
	Appearance in	In case of assets it is shown as a	creation of reserves, except for some special reserves.				
	Presence of profit	anticipated losses Not necessary	Profit must be present for the				
	Provides For Known liabilities and Increase in capital employed						
What is it? Charge against profit Appropriation of profit							
	Meaning	The Provision means to provide for a future expected liability.	Reserves means to retain a part of profit for future use.				
	BASIS FOR COMPARISON	PROVISION	RESERVE				
	Difference betwee	en Provisions and Reserves:- (an	y two)				
		OR		1+1			
	iv. Dividend eq	jualization fund लाभांश समकारी नि	ध				
		fluctuation fund निवेश उतार-चढ़ाव					
		ompensation fund कर्मचारी क्षतिपूर्ति					
	•	erve सामान्य संचय					
	iv. Provision for discount on debtors देनदारों पर छूट का प्रावधान Examples of Reserves:- (any two)						
	iii. Provision for taxation कराधान के लिये प्रावधान						
	प्रावधान						
	ii. Provision fo	or bad and doubtful debts अशोध्य	और संदिग्ध ऋणों के लिए				
	•	or depreciation मूल्यहास के लिए प्रा	वधान	+1/2			
17.	Examples of Provi			1/2			
आहरण:- आहरण निजी उपयोग के लिए मालिक (मालिकों) द्वारा कंपनी से नकद या संपत्ति निकालने के कार्य को संदर्भित करता है।							
	•	y by the owner(s) for personal us					
	0	Drawings refers to the act of wit					
	भी उम्मीद है।						
		पर एक ऋणदाता का पैसा बकाया है,	<b>J</b>				
		नी हैं, और बदले में एक सहमत तिथि					
		वसाय के लेनदार उसके आपूर्तिकर्ता हो	·				
	नेनटारः - एक	न लेनदार एक व्यक्ति या संस्था है जि	म पर पैमा बकाया है। भामनौर				

	asset while if it is a provision for liability, it is shown in the liabilities side.	
Compulsion	Yes, as per GAAP	Optional except for some reserves whose creation is obligatory.
Payment of Dividend	Dividend can never be paid out of provisions.	Dividend can be paid out of reserves.
Specific use	Provisions can only be used, for which they are created.	Reserves can be used otherwise.
अर्थ	प्रावधान का मतलब भविष्य की अपेक्षित देयता के लिए इसका निर्माण करना है।	संचय का अर्थ लाभ का एक भाग भविष्य के उपयोग के लिए अपने पास रखना है।
ये क्या है?	लाभो पर प्रभार	लाभ का विनियोग
प्रदान करना	ज्ञात देनदारियां और प्रत्याशित हानियां	नियोजित पूंजी में वृद्धि
लाभ की उपस्थिति	आवश्यक नही	कुछ विशेष संचायो को छोड़कर, अन्य संचयों के निर्माण के लिए लाभ मौजूद होना चाहिए।
चिट्ठे में स्तिथि	संपति के मामले में इसे संबंधित संपति से कटौती के रूप में दिखाया गया है, जबिक यदि यह देयता के लिए प्रावधान है, तो इसे देनदारियों के पक्ष में दिखाया गया है।	दे <mark>यता प</mark> क्ष में दर्शाया जाता है ।
बाध्यता	हाँ, GAAP के अनुसार	कुछ संचयो को छोड़कर जिनका निर्माण अनिवार्य है वैकल्पिक है।
लाभांश भुगतान	लाभांश का भुगतान कभी भी प्रावधानों से नही होता है ।	लाभांश का भुगतान संचय मेवसे किया जा सकता है ।
विशिष्ट प्रयोग		

		Ī				
	प्रावधानों का उपयोग केवल उसके सअनय का उपयोग अन्यथा किया					
	लिए किया जा सकता है, जिसके जा सकता है।					
	लिए वे बनाए गए हैं।					
18.	Total Sales = Cash Sales + Credit Sales = Rs.60,000 + Rs.40,000 = Rs.1,00,000	1/2				
	Let cost = Rs.100, Gross profit = 25% on cost, Sales = cost + gross profit Sales = Rs.100 + Rs.25 = Rs.125					
	If sales is 125 then gross profit = 25 If sales is Rs.1,00,000 then gross profit = 25/125 x 1,00,000= Rs.20,000 Cost of Goods Sold = Sales - Gross Profit = Rs.1,00,000 - Rs.20,000					
	= Rs.80,000  Cost of Goods Sold = Opening Stock + Purchases - Closing Stock So, Closing stock	1/2 (Total 2				
	= Opening Stock + Purchases - Cost of Goods Sold = Rs.20,000 + Rs.70,000 - Rs.80,000 = Rs.10,000.	marks )				
19.	I. Conservatism concept:- The conservatism concept is a concept in accounting which refers to the idea that expenses and liabilities should be recognised as soon as possible in a situation where there is uncertainty about the possible outcome and in contrast record assets and revenues only when they are assured to be received.  रुढ़िवाद की अवधारणा: - रूढ़िवाद की अवधारणा लेखांकन में एक अवधारणा है जो इस विचार को संदर्भित करती है कि व्यय और देनदारियों को जितनी जल्दी हो सके एक ऐसी					
	स्थिति में पहचाना जाना चाहिए जहां संभावित परिणाम के बारे में अनिश्चितता हो और इसके विपरीत रिकॉर्ड संपत्ति और राजस्व केवल जब उन्हें प्राप्त करने का आश्वासन दिया गया है।					
	II. Materiality concept:-Materiality concept in accounting refers to the concept	1				

भौतिकता अवधारणा: - लेखांकन में भौतिकता अवधारणा इस अवधारणा को संदर्भित करती है कि सभी भौतिक वस्तुओं को वितीय विवरणों में ठीक से रिपोर्ट किया जाना चाहिए। भौतिक वस्तुओं को उन वस्तुओं के रूप में माना जाता है जिनके समावेश या बहिष्करण के परिणामस्वरूप व्यावसायिक जानकारी के उपयोगकर्ताओं के लिए निर्णय लेने में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं।

#### OR

- I. Consistency concept:-According to the consistency concept, once a business has decided on a particular method for treating an accounting item, it will treat all similar items in the same way in the future.

  एकरूपता अवधारणा: स्थिरता अवधारणा के अनुसार, एक बार जब कोई व्यवसाय किसी लेखांकन मद के उपचार के लिए एक विशेष विधि पर निर्णय लेता है, तो वह भविष्य में सभी समान वस्तुओं को उसी तरह से व्यवहार करेगा।
- II. Historical cost:- The historical cost principle states that a company or business must account for and record all assets at the original cost or purchase price on their balance sheet. No adjustments are made to reflect fluctuations in the market or changes resulting from inflationary fluctuations. ऐतिहासिक लागत: ऐतिहासिक लागत सिद्धांत बताता है कि एक कंपनी या व्यवसाय को अपनी बैलेंस शीट पर मूल लागत या खरीद मूल्य पर सभी संपत्तियों का लेखा-जोखा रखना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव या मुद्रास्फीति के उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता है।
- 20. The double-entry system of accounting or bookkeeping means that for every business transaction, amounts must be recorded in a minimum of two accounts. The double-entry system also requires that for all transactions, the amounts entered as debits must be equal to the amounts entered as credits. लेखांकन या पुस्तपालन पद्धति की दोहरी लेखा प्रणाली का अर्थ है कि प्रत्येक व्यावसायिक लेनदेन के लिए राशियों को न्यूनतम दो खातों में दर्ज किया जाना चाहिए। दोहरी लेखा प्रणाली के लिए यह भी आवश्यक है कि सभी लेन-देन के लिए, डेबिट के रूप में दर्ज की गई राशि के बराबर होनी चाहिए।

Example of a Double-Entry System दोहरी लेखा प्रणाली का उदाहरण To illustrate double entry, let's assume that a company borrows Rs.10,000 and a liability account must be increased by Rs.10,000. To increase an asset, a debit entry is required. To increase a liability, a credit entry is required. Hence, the account Cash will be debited for Rs.10,000 and the liability Loans Payable will be credited for Rs.10,000.

1

1

2

_			
		दोहरी प्रविष्टि को समझने के लिए, मान लें कि एक कंपनी ने 10,000 रुपये उधार लिए हैं	
		और देयता खाते में 10,000 रुपये की वृद्धि होनी चाहिए। किसी संपत्ति को बढ़ाने के लिए	
		डेबिट प्रविष्टि की आवश्यकता होती है। देयता बढ़ाने के लिए, एक क्रेडिट प्रविष्टि की	
		आवश्यकता होती है। इसलिए, खाते से 10,000 रुपये के लिए नकद डेबिट किया जाएगा और	
		देय देयता ऋण 10,000 रुपये के लिए जमा किया जाएगा।	
	21.		1 1/2 + 1/2
		लेखांकन वितीय प्रकृति की घटनाओं की पहचान करने, उन्हें जर्नल में दर्ज करने, उनके संबंधित खातों में वर्गीकृत करने और उन्हें लाभ और हानि खाते और बैलेंस शीट में सारांशित करने और ऐसी जानकारी के उपयोगकर्ताओं को परिणाम संप्रेषित करने की एक प्रक्रिया है। लेखांकन के उद्देश्य :- (कोई दो)  1. व्यापारिक लेन-देनों का व्यवस्थित ढंग से अभिलेखन करना।  2. अर्जित लाभ या हानि का निर्धारण।  3. फर्म की वितीय स्थिति का पता लगाना।  4. सहायक प्रबंधन।	

Q.22

# (1/2)mark for each transaction).

# Accounting Equation

Sr. No.	Transactions		Assets			Liabilities + C	Capital
		Cash +	Stock +	Debtors	=	Liabilities +	Capital
1.	Started business with cash	1,50,000			=		1,50,000
	New Equation	1,50,000	0	0	=	0	1,50,000
2.	Bought goods for cash	(-) 80,000	+ 80,000		=		
	and credit		+40,000		=	+40,000	
2	New Equation	70,000	1,20,000	0	=	40,000	1,50,000
3.	Sold goods at profit & half of the payment						
	received in cash	+45,000	-75,000	+45,000	=		+15,000
	New Equation	1,15,000	45,000	45,000	=	40,000	1,65,000
4.	Rent &	(-) 200			=		(-) 200
	Salaries Paid	(-) 4,000			=		(-) 4,000
	New Equation	1,10,800	45,000	45,000	=	40,000	1,60,800
5.	Goods sold on credit		(-) 10,000	+12,000			+2,000
	New Equation	1,10,800	35,000	57,000	=	40,000	1,62,800
6.	Paid insurance	(-) 2,000			=		(-) 2,000
	Final Equation	1,08,800 +	35,000 +	57,000 +	=	40,000 +	1,60,800

23.	JOURNAL						
	Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)	1	
	1.	Cash A/c Dr.		80,000		marks	
		Purchase A/c Dr.		40,000			
		Furniture A/c Dr.		20,000			
		To Capital A/c			1,40,000		
		(Business started with cash,					
		Goods and Furniture)					
	2.	Nandlal Dr.		18,000		1	
		To Sales A/c			18,000	marks	
		(Good sold at trade discount)					
	3.	Cash A/c Dr.		69,840			
		Discount Allowed A/c Dr.		2,160		1	
		To Sales A/c			72,000	1 1	
		(Goods for Rs.80,000 sold at				marks	
		10% trade discount and 3%					
		cash discount)		2 20 000	2 20 00		
2.4	3.6	TOTAL	A 1	2,30,000	2,30,00	1	
24.	_	of Bank Reconciliation Statement				1	
		sed to compare internal records of			•	mark	
	•	the bank. It itemizes the deposits, g the checking account for a one-r					
	-	t is to uncover any differences bet		_			
		of Pass Book which can then be co			asii Dook and		
		ace of Bank Reconciliation Statem				(1+1)	
	-	prrectness of the balances presente			cash book is	(1.1)	
		by the bank reconciliation statement		pubb odon una			
		ank reconciliation statement ensure		the entries in bo	oth books are		
	correct.						
	3. The ba	ank reconciliation statement aids in	the c	letection and cor	rection of any		
	errors ma	ade in both books.					
	4. The ba	ank reconciliation statement aids in	ı the u	updating of the ca	ash book by		
	revealing some entries that have yet to be recorded.						
	बैंक समाधान विवरण का अर्थ:- बैंक समाधान विवरण बैंक द्वारा बताए गए खातों की जांच						
	के आंतरिक रिकॉर्ड की तुलना करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विवरण है। यह						
		ं की अवधि के लिए खाते को प्रभावित र					
	गतिविधिय	ों को सूचीबद्ध करता है। विवरण का	इरादा	जानकारी के दो से	ट्रों के बीच किसी		
	भी अंतर व	को उजागर करना है, जिसे ठीक किया उ	जा सक	ता है।			

बैंक समाधान विवरण का महत्व:- (कोई दो बिन्द्)

- 1. पासबुक और रोकड़ बही में प्रस्तुत शेष राशि की शुद्धता बैंक समाधान विवरण द्वारा स्निश्चित की जाती है।
- 2. बैंक समाधान विवरण यह सुनिश्चित करता है कि दोनों पुस्तकों में प्रविष्टियां सही हैं।
- 3. बैंक समाधान विवरण दोनों पुस्तकों में की गई किसी भी त्रुटि का पता लगाने और उसमें स्धार करने में सहायता करता है।
- 4. बैंक समाधान विवरण कुछ प्रविष्टियों को प्रकट करके रोकड़ बही को अद्यतन करने में सहायता करता है जिन्हें अभी तक दर्ज नहीं किया गया है।

OR

	OK			
Sr.	Particulars	Plus Items	Minus	
No.		(Rs.)	Items (Rs.)	
1.	Debit balance as per Cashbook	10,000		],,
2.	Cheque issued but not presented for	500		½ ×6
	payment			
3.	Cheque deposited but dishonoured		295	
4.	Less amount credited in passbook		720	
5.	Under casting of withdrawal column of		200	
	cashbook			
6.	Bank Charges not recorded in cash book		250	
	Balance as per Passbook	9035		
		10,500	1,465	

A ledger, also known as the second book of entry, is a record-keeping system that records all of a company's classified financial data. Transactions are recorded in the ledger in different accounts as debits and credits. The advantages of a ledger are as follows: (any two)

(1+1)

mark

- 1. It collects information.
- 2. It shows the financial position at any given point in time.
- 3. It helps in maintaining classified accounts.
- 4. Helps in preparing a trial balance.
- 5. It provides statistical data.
- 6. It determines the result of each account

खाताबही, जिसे प्रविष्टि की दूसरी पुस्तक के रूप में भी जाना जाता है, एक आभलेख रखने की प्रणाली है, जो कंपनी के सभी वर्गीकृत वितीय डेटा को रिकॉर्ड करता है। लेन-देन खाताबही में डेबिट और क्रेडिट के रूप में विभिन्न खातों में दर्ज किए जाते हैं।

खाता बही के लाभ इस प्रकार हैं: (कोई दो)

- 1. यह जानकारी एकत्र करता है।
- 2. यह किसी भी समय पर वितीय स्थिति को दर्शाता है।

		3. यह वर्गीकृत खातों को बनाए रखने :	में मदद व	 हरता है।				
		4. तलपट तैयार करने में मदद करता i						
		5. यह सांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है	· I					
				<b>.</b>				
	6. यह प्रत्येक खाते का परिणाम निर्धारित करता है।							
26.								
	Date Name of the customer Invoice		Invoic	e Details	Total	marks		
		(Account to be debited)	No.	Rs.	Rs.	for		
	Sep	AMIT TRADERS	4321			each		
	01	20 Pocket Radio @Rs 700 per		14,000				
		radio						
		20 T.V Sets @ Rs 15,000 per		3,00,000	3,14,000			
		T.V						
	07	HANDA ELECTRONICS						
		10 Mixer Juicer @ Rs 8,000	4351	80,000				
		each						
		Less- Trade Discount@10%		(8,000)	72,000			
		Sales A/c Cr.			3,86,000			
27.	JOURNAL							
	Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)			
	1.	Mahesh Dr		1,000		1		
		Suspense A/c Dr	.   /	3,000		mark		
		To Mohit			4,000			
		(Cash received from Mohit						
		Rs.4,000 wrongly posted to						
		Mahesh as Rs.1,000 now						
		rectified)						
	2.	Purchase A/c Dr	•	6,000		1 .		
		To Suspense A/c			6,000	mark		
		(Good sold at trade discount)		4 600				
	3.	Repairs A/c Dr	-	1,600	1 (00	I		
		To Machinery A/c			1,600	mark		
		(Repairs on machinery						
	Rs.1,600 was wrongly debited							
		to machinery A/c)				-		
		OR		C 1	. 1	1.5		
	i. <b>Error of principles:-</b> Error of principles refers such errors arise when							
	the entries are not recorded according to the fundamental principles of							
		ccountancy, e.g., wrong allocation	-		-			
		evenue, ignoring the outstanding a						
	a	ssets against the principles of bool	k-keepin	g. For example	:- Expenses			

Paid for Installation of Machinery Debited to Expenses Account- In this transaction, expenses paid for the installation of machinery which is a capital expenditure and should be debited to machinery account has been treated as revenue expenditure and wrongly debited sundry expenses account. This error violates the accounting principle.

सिद्धान्त की त्रुटियां- सिद्धांत की त्रुटि का अर्थ है ऐसी त्रुटियां उत्पन्न होना हैं जब प्रविष्टियां लेखांकन के मौलिक सिद्धांतों के अनुसार दर्ज नहीं की जाती हैं, उदाहरण के लिए, पूंजी और आयगत के बीच व्यय का गलत आवंटन, बकाया संपित और देनदारियों की अनदेखी, खाताबही के सिद्धांतों के विरुद्ध संपित का मूल्यांकन । उदाहरण के लिए:- मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय, व्यय खाते में डेबिट किया गया- इस लेनदेन में, मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय जो पूंजीगत व्यय है और जिसे मशीनरी खाते में डेबिट किया जाना चाहिए, को आयगत व्यय के रूप में माना गया है और गलत तरीके से विविध व्यय खाते में डेबिट किया गया है। यह त्रुटि लेखांकन सिद्धांत का उल्लंघन करती है।

ii. **Errors of commission:-** Errors of commission is one of the types of errors in accounting or in other words, accounting errors. It is caused when an accountant or the bookkeeper makes a debit or credit correctly in the account but in the wrong subsidiary books.

Errors of commission is a type of clerical error that happens when a mistake is committed by the clerk in recording of transactions in the book of accounts.

The errors of commission are basically errors in arithmetical accuracy. The following scenarios can lead to errors of commission:

- 1. Recording of wrong amount in the correct subsidiary books.
- 2. Recording of correct amount in the wrong subsidiary book.
- 3. Incorrect totaling of the subsidiary books.
- 4. Incorrect totaling of the ledger balances.

आयोग की त्रुटियां:- आयोग की त्रुटियां लेखांकन में या दूसरे शब्दों में, लेखांकन त्रुटियों में से एक प्रकार की त्रुटियां हैं। यह तब होता है जब एक लेखाकार या बहीखाताकर्ता खाते में सही ढंग से डेबिट या क्रेडिट करता है लेकिन गलत सहायक पुस्तकों में।

आयोग की त्रुटियां एक प्रकार की लिपिकीय त्रुटि है जो तब होती है जब लेखा पुस्तकों में लेन-देन की रिकॉर्डिंग में क्लर्क द्वारा गलती की जाती है। कमीशन की त्रुटियां मूल रूप से अंकगणितीय सटीकता में त्रुटियां हैं।

निम्नलिखित परिदृश्यों से आयोग की त्र्टियां हो सकती हैं:

1.5 marks

		1. सही सहायक पुस्त	नकों में गलत	राशि दर्ज	करना			
		2. गलत सहायक बर्ह	•		ना			
		3. सहायक पुस्तकों का गलत जोड़						
		4. बहीखाता शेष का गलत जोड़						
28.		Machinery A/c ate Particulars Amount Date Particulars Amount						
	Date	Particulars	Amount	Date	Part	ticulars	Amount	1
	2018 April 01	To Bank A/c	1,20,000	2019 31 <sup>st</sup> March	-	eciation A/c	18,000 1,02,000	mark
	2019		1,20,000	2020 31 <sup>st</sup>	-	eciation A/c	1,20,000	
	April 30	To Balance c/d	1,02,000	March	I I	15,300 <u>1,500</u>	16,800	2 marks
	Sept	To Bank A/c	20,000	31 <sup>st</sup> March	By Ba	lance c/d 86,700		
	2020		1,22,000		II	18,500	1,05,200 1,22,000	
	2020 01 April 30 <sup>th</sup> June	To Balance c/d I 86,700 II <u>18,500</u> To Bank A/c	1,05,200 8,000	2020 30 June	By Dep. By Bank By Profit A/c		136 500 2,976 16,138	2 marks
				2021 31 <sup>st</sup> March	I II III _	Dep. A/c 12,463 2,775 900 clance c/d 70,625 15,725	93,450	
			1,13,200				1,13,200	
		nces between Stra d(any four):-	ight line m	OR ethod an	d Written	down value		

BASIS FOR COMPARISON	SLM	WDV	
Meaning	A method of depreciation in which the cost of the asset is spread uniformly over the life years by writing off a fixed amount every year.	A method of depreciation in which a fixed rate of depreciation is charged on the book value of the asset, over its useful life.	
Calculation of depreciation	On the original cost	On the written down value of the asset.	
Annual depreciation charge	Remains fixed during the useful life.	Reduces every year	
Value of asset	Completely written off	Not completely written off	
Amount of depreciation	Initially lower	Initially higher	
Impact of repairs and depreciation on P&L A/c	Increasing trend	Remains constant	
Appropriate for	Assets with negligible repairs and maintenance like leases, copyright.	Assets whose repairs increase, as they get older like machinery, vehicles etc.	
अर्थ	मतलब मूल्यहास की एक विधि जिसमें संपति की लागत हर साल एक निश्चित राशि को अपलिखित करके जीवन के वर्षों में समान रूप से फैलाई जाती है। मूल्यहास की एक विधि जिसमें मूल्यहास की एक निश्चित दर को संपत्ति के बुक वैल्यू पर उसके उपयोगी जीवन पर लगाया जाता है।	जाता है।	
मूल्यहास की गणना	मूल लागत पर	संपत्ति के लिखित मूल्य पर।	
वार्षिक मूल्यहास	उपयोगी जीवन के दौरान स्थिर रहता है।	प्रतिवर्ष घटता रहता है।	
सम्पत्ति का मूल्य	पूरी तरह से अपलिखित	पूरी तरह से अपलिखित नही	

मूल्यहास की राशि   प्रारम्भ में काम   प्रारम्भ में ज्यादा   प्रम्भ में ज्यादा   प्रारम्भ में प्रारम में प्रारम में ज्यादा   प्रारम्भ में प्रारम में प्र			ī				1			1	
सरम्मत और मूल्यहास बढ़ता है। का प्रभाव   पट्टे, कॉपीराइट जैसे नगण्य   ऐसी सम्पतियां जिनके पुराना   मरम्मत और रखरखाव वाली होने पर उनकी मरम्मत लागत   संपति।   बढ़ती जाती है, जैसे मशीनरी, वाहन आदि।						प्राः		प्रारम्भ में ज्यादा			
29.    Cashbook A/c   To Sales A/c   (Contra)   30   To Balance c/d   14,500   5,900   14,500   5,900   14,500   5,900   14,500   5,900   15 of both journal and a ledger for all the cash payments of the organisation. A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.    Types of Cashbook: There are three types of cash books. 1. Single column cash book   2. Double column ca						प्रतिवर्ष लगभग समान					
29.    Cashook A/c   To Balance   To Cash A/c   Contra   Solution   To Cash A/c   Contra   Solution   To Balance   C/d   Date   Date   C/d   Date		मरम्मत	और मूल्यहास ब	ाढ़ता है।							
29.		का प्रभाव	त्र ।								
29.    Cashbook A/c   Date   Particulars   Cash   Bank   Date		उपयोगित					9				
29.			म								
29.			₹	<b>गं</b> पति।				बढ़ती जाती है	t, जैसे मश	शीनरी,	
Date   Particulars   Cash   Bank   Date   Particulars   Cash   Bank   2022								वाहन आदि।			
Sept To Balance 01 b/d 7,500 8ept 01 b/d 3,500 for closin 95 To Sales A/c (Contra) 30 To Balance c/d 1,900 10 By Bank 4,000 A/c (Contra) 30 By Wages 2,000 And A/c By purchase A/c (Contra) 30 By Salary A/c 30 By Salary A/c 30 By Balance 6/d 14,500 5,900 OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book	29.	_ L			Cashb	ook A/	c				
Sept   To Balance   7,500		Date	Particulars	Cash	Bank	Date	Par	ticulars	Cash	Bank	
10 To Sales A/c (Contra)											
10				7,500		_	_			2.500	
10				7,000					200	3,500	
To Balance c/d  To Balance c/d  1,900 10 By Bank A/c(contra) 20 By purchase A/c 25 By Drawing A/c 30 By Salary A/c 30 By Balance c/d  14,500 5,900 14,500 5,900  OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book 2. Double column cash book				· ·	4.000	03	_	_	200		
To Balance c/d    20		10			-	10			4 000		_
20   By purchase   2,000   And   ½		30	, ,		1,500	10	_		1,000		
25   By Drawing   400   Marks for every other entry   14,500   5,900   OR   Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book						20				2,000	And
A/c 30 By Salary A/c 30 By Balance c/d  14,500 5,900  OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation. A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book 2. Double column cash book							_	_			1/2
30   By Salary A/c   9,300   every other entry     14,500   5,900     14,500   5,900     OR     Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.   A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.   Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.   1. Single column cash book   2. Double column cash book						25		_		400	
OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book						• •			1,000		
OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book							_		0.200		_
OR  Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book						30		Baiance	9,300		
Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book				14 500	5 900		C/U		14 500	5 900	
Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1. Single column cash book  2. Double column cash book											
the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book											
business organisation.  A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book										2	
A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.  Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book		of both Journal and a reager for all the easil transactions taking prace in a							marks		
payments of the organisation on the credit side. <b>Types of Cashbook:-</b> There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book											
Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book		•									
purposes. Let us have a look at the types of cash books.  1.Single column cash book  2.Double column cash book		, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,									
1.Single column cash book 2.Double column cash book		7.7									
2.Double column cash book											
3 Patty cash book		=									
3.1 City Cash book			cash book								

**Single column cash book**: Single column cash book is also called a simple cash book. It presents entries for cash received (receipts) on the left side or debit side and cash payments on the right hand side or credit side.

The bank transactions and the discounts that are given for transactions will be featured in separate ledger accounts in case of single-column cash books. Cash books are updated on a daily basis in some business firms. The most striking feature of a cash book is that it can never have a credit balance. It should always show a debit balance.

**Double Column cash book**: In a double column cash book, there is an additional column that is reserved for the Bank transactions. Therefore, in a double-column cash book, also known as two-column cash book, the cash receipts and transactions are recorded in one column while the second column records received from bank and paid to banks.

The cash column is used to record all cash transactions and works as a cash account, whereas, bank column is used to record all receipts and payments made by cheques, and works like a bank account. Both the columns are totaled and balanced like a traditional T-account at the end of the respective accounting period.

**Petty cash book**: Petty cash book, as the name suggests, is for very small transactions that take place in an organisation. Such transactions can occur in a day and are repetitive in nature, which can put undue load on the general cash book. For this reason, it is maintained separately.

Examples of such transactions are: stationery, postage, food bills, etc.

रोकड़ बही:- रोकड़ बही एक विशेष प्रकार की बही है जो केवल किसी संगठन के नकद लेनदेन की रिकॉर्डिंग से संबंधित है। यह एक व्यावसायिक संगठन में होने वाले सभी नकद लेनदेन के लिए जर्नल और लेजर दोनों की दोहरी भूमिका निभाता है। एक रोकड़ बही डेबिट पक्ष में सभी नकद प्राप्तियों और क्रेडिट पक्ष पर संगठन के सभी नकद भुगतानों को दर्ज करती है।

रोकड़ बही के प्रकार:- लेखांकन उद्देश्यों के लिए तीन प्रकार की रोकड़ बही का उपयोग किया जाता है। आइए कैश बुक के प्रकारों पर एक नजर डालते हैं।

- 1. एक कॉलम रोकड़ बही
- 2. दओ कॉलम रोकड़ बही
- 3. लघु रोकड़ बही

एक कॉलम रोकड़ बही: एक कॉलम रोकड़ बही को सिंपल रोकड़ बही भी कहा जाता है। यह बाईं ओर या डेबिट पक्ष में नकद प्राप्त (रसीदें) और दाईं ओर या क्रेडिट पक्ष पर नकद भगतान के लिए प्रविष्टियां प्रस्तृत करता है। n mark

1 mark

1 mark बैंक लेन-देन और लेन-देन के लिए दी जाने वाली छूट एकल-स्तंभ नकद पुस्तकों के मामले में अलग-अलग खाता बही में प्रदर्शित की जाएगी। कुछ व्यावसायिक फर्मों में रोकड़ बही दैनिक आधार पर अद्यतन की जाती हैं। रोकड़ बही की सबसे खास बात यह है कि इसमें कभी भी क्रेडिट शेष नहीं हो सकता है। इसे हमेशा डेबिट शेष दिखाना चाहिए।

दओ कॉलम रोकड़ बही: दो कॉलम रोकड़ बही में, एक अतिरिक्त कॉलम होता है जो बैंक लेनदेन के लिए आरक्षित होता है। इसलिए, एक दो-कॉलम रोकड़ बही में, जिसे द्वि-कॉलम रोकड़ बही के रूप में भी जाना जाता है, नकद प्राप्तियां और लेनदेन एक कॉलम में दर्ज किए जाते हैं, जबिक दूसरे कॉलम में बैंक से प्राप्त रिकॉर्ड और बैंकों को भुगतान किया जाता है।

रोकड़ कॉलम का उपयोग सभी नकद लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है और यह रोकड़ खाते के रूप में काम करता है, जबिक बैंक कॉलम का उपयोग चेक द्वारा की गई सभी प्राप्तियों और भुगतानों को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है, और बैंक अकाउंट की तरह काम करता है। संबंधित लेखा अविध के अंत में दोनों कॉलम पारंपरिक टी-आकार खाते की तरह जोड़े और संतुलित किए जाते हैं।

लघु रोकड़ बही : लघु रोकड़ बही, जैसा कि नाम से पता चलता है, एक संगठन में होने वाले बहुत छोटे लेनदेन के लिए है। ऐसे लेन-देन एक दिन में हो सकते हैं और प्रकृति में दोहराव वाले होते हैं, जो सामान्य रोकड़ बही पर अनुचित भार डाल सकते हैं। इस कारण इसे अलग से बनाया किया जाता है।

ऐसे लेन-देन के उदाहरण हैं: स्टेशनरी, डाक खर्च, भोजन बिल आदि।

30. **Profit and loss (P&L):-** Profit and loss (P&L) statement refers to a financial statement that summarizes the revenues, costs, and expenses incurred during a specified period, usually a quarter or fiscal year. These records provide information about a company's ability or inability to generate profit by increasing revenue, reducing costs, or both. P&L statements are often presented on a cash or accrual basis. Company managers and investors use P&L statements to analyze the financial health of a company.

**Importance:- (with explanation)** 

- 1. To find net profit.
- 2. To find total expenses.
- 3. To find the ratio between net profit and sales.

mark

(1 x 4 mark)

4. Helps in reducing indirect expenses.

लाभ और हानि (P&L): - लाभ और हानि (P&L) विवरण एक वितीय विवरण को संदर्भित करता है जो एक निर्दिष्ट अवधि के दौरान आमतौर पर एक तिमाही या वितीय वर्ष में किए गए आगम, लागत और व्यय का सारांश देता है। ये रिकॉर्ड किसी कंपनी की आगम बढ़ाने, लागत कम करने, या दोनों के द्वारा लाभ उत्पन्न करने की क्षमता या अक्षमता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। P&L विवरण अक्सर नकद या उपार्जन आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। कंपनी के प्रबंधक और निवेशक किसी कंपनी के वितीय स्वास्थ्य का विश्लेषण करने के लिए P&L विवरण का उपयोग करते हैं।

l mark

(1X4

marks

महत्व:- (व्याख्या सहित)

1. शुद्ध लाभ ज्ञात करना।

2. कुल व्यय ज्ञात करना।

- 3. शुद्ध लाभ और बिक्री के बीच का अनुपात ज्ञात करना।
- 4. अप्रत्यक्ष खर्चों को कम करने में मदद करता है।

OR
Trading A/c and Profit & Loss A/C
For the Year ended March31,2011

Dr Cr **Particulars Particulars** Amount(R Amount(Rs) s) 60,220 Opening stock Sales 2,81,500 Purchases 1,99,080 2,79,630 Less:- Returns (1,870) 70,000 Less: returns (1,450) 1,97,630 Closing stock 5,170 Carriage 86,610 Gross profit c/d 1 Mark 3,49,630 3,49,630 Discount allowed 3.960 Gross profit b/d 86,610 Discount received Bank charges 100 2,980 6,420 Salaries Rent & taxes 7,680 Marks General expenses 3,630 750 Insurance Less:- Prepaid Insurance <u>50</u> 700 Bad debts 1,250

Add: New provision For bad debts 8,274 Less:- Old provision for bad debts 4,650 Net profit (transferred to capital A/c)	4,874 62,226	
	89,590	89,590

### Balance sheet as at March 31, 2011

Liabilities	Amount	Assets	Amount	
Creditors	18,670	Cash	13,870	
Loan	15,000	Book debts 82,740		2
Capital 1,50,000		Less:- reserve for bad		Marks
Add:- net profit 62,226		debts <u>8,274</u>	74,466	
Less:- drawings <u>6,300</u>	2,05,926	Bills receivable	1,860	
3		Land and building	42,580	
		Furniture	5,130	
		Plant & machinery	31,640	
		Insurance (prepaid)	50	
		Closing stock	70,000	
	2,39,596		2,39,596	